12.10 hrs.

RE: POINT OF ORDER

डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद) : अध्यक्ष महोदय, नियम 376 के अन्तर्गत मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है ।

अध्यक्ष महोदय : डाक्टर साहब, एक सवाल खत्म हुआ और दूसरा कोई और मामला सामने नहीं है इस वास्ते इस वक्त कोई प्वाइंट ग्रोफ ग्रार्डर नहीं उठ सकता है । हाउस के सामने जो बिजनैस पेश हो उसके सम्बन्ध में ही कोई प्वाएंट ग्रोफ ग्रार्डर उठ सकता है ।

डा० राम मनोहर लोहिया : इस पर भी मैं अर्ज कर दूं कि नियम में साफ कहा गया है कि जब दो प्रश्नों के बीच में कोई प्रश्न जरूरी होता है तो उसके सम्बन्ध में सदस्य व्यवस्था का प्रश्न उठा सकते हैं ।

अध्यक्ष महोदय : दो प्रश्नों के बीच में कोई व्यवस्था का प्रश्न नहीं उठ सकता ।

डा० राम मनोहर लोहिया : आप उसके शब्दों को पढ़ लीजिये । 376 है न ? अब 376 के पहले नियम में तो व्यवस्था का प्रश्न हुआ फिर नियम दो में यह दिया हुआ है :

> "Provided that the Speaker may permit a member to raise a point of order during the interval between the termination of one item of business and the commencement of another if it relates to maintenance of order in, or arrangement of business before the House."

Mr. Speaker: "If it relates"—

Dr. Ram Manohar Lohia: "If it relates to maintenance of order in, or arrangement of business before the House."

एक स्थगन का प्रस्ताव मेरा आपके सामने है तो वह आर्डर ग्रोफ बिजनैस हो गया और यह सम्बन्ध रखता है भारत सरकार से । आप मेहरबानी करके मेरी इस बात को सुनिये क्योंकि इस सरकार के कुछ अंशों में अगर पूरे में नहीं तो कुछ कुटिल, गुप्त और अंधकार प्रेमी तत्व घुस गये हैं । आप मेहरबानी करके जरा इस अत्यावश्यक बात को सुनिये कि जो घटना यहां हो रही है . . .

अध्यक्ष महोदय : डाक्टर साहब, यह बात कि गवर्नमेंट में कहां क्या हो रहा है वह इस वक्त प्वाएंट ग्रोफ ग्रार्डर के बहाने मैं नहीं सुन सकता और आप ने इस वक्त मेरे सामने जो 376 का हवाला दिया है तो उसके मातहत यह आपका सवाल प्वाएंट ग्रोफ ग्रार्डर में नहीं उठता है । बाकी जो आपका ऐडजोर्नमैंट मोशन स्थगन प्रस्ताव है वह मैंने देखा । वह स्थगन प्रस्ताव उचित नहीं है इसलिए मैंने उसे अपनी मंजूरी नहीं दी और इसलिए उसको इस तरीके से उठाने देने की मैं इजाजत नहीं दे सकता ।

डा० राम मनोहर लोहिया : अध्यक्ष महोदय, जरा . .

अध्यक्ष महोदय : अब आप हाउस की कार्यवाही को आगे चलने दीजिये ।

डा० राम मनोहर लोहिया : आप ने खुद यहां इस सदन में कहा था कि हम लोगों के खिलाफ अदालती कार्यवाही हो रही है इसलिए उसके ऊपर इस सदन में कोई चर्चा नहीं होनी चाहिए और गृह मंत्री ने भी न जाने कितनी बार कहा । आज हमारे बारे में हैबियस कौरपस के मातहत अदालत में सुनवाई होने वाली थी । दफा 107 को मैंने चुनौती दी थी लेकिन गृह मंत्री मैदान छोड़ कर भाग गये और अदालत की चुनौती को स्वीकार करने में असमर्थ हो गये । ऐसी अवस्था में आप मेहरबानी कर के . . .

अध्यक्ष महोदय : डाक्टर साहब अब आप बैठ जायें और हाउस की कार्यवाही को आगे चलने दें ।

डा० राम मनोहर लोहिया : अध्यक्ष महोदय, आप ऐसा करके अपनी इस कार्यवाही से इस सरकार को मजबूत बना रहे हैं यह आपको जानना चाहिए ।

अध्यक्ष महोदय : अब यह क्या बात हुई कि आप ने हैबियस कारपस के मातहत दरख्वास्त की 107 को चुनौती दी और गृह मंत्री ने इसलिए आपको छोड़ दिया, भाग गये मैदान छोड़ कर और आपका मुकाबला नहीं कर सके ।

डा० राम मनोहर लोहिया : मेरा मुकबला कहां ? अगर मुझे मुकाबला करने की ताकत होती तो इस तरीके से मेरे साथ बर्ताव नहीं करते । इसे आप हंसी मजाक मत समझिये । यह देश का मामला है ।

अध्यक्ष महोदय : मैं हंसी मजाक क्या कर रहा हूं ?

डा० राम मनोहर लोहिया : वह लोग जो कर रहे हैं । मुकाबला 107 का है मेरा मुकाबला कहां है ?

अध्यक्ष महोदय : दफा 107 का मुकाबला मैं यहां कैसे उठाने दे सकता हूं ?

डा० राम मनोहर लोहिया : आपने कई बार यहां कहा है कि हाउस में उठाया जा सकता है ।

अध्यक्ष महोदय : यह गलत है ऐसा नहीं हो सकता है । माननीय सदस्य अब बस करें और मुझे हाउस की कार्यवाही को आगे चलाने दें ।

डा० राम मनोहर लोहिया :**

Shri Raghunath Singh (Varanasi): He is passing the limit of indignity.

अध्यक्ष महोदय: मेरे बार-बार मना करने के बावजूद भी वह बोलते चले जा रहे हैं मुझे उनके खिलाफ ऐक्शन लेना पड़ेगा ।

श्री मधु लिमये (मुंगेर): ऐक्शन की आप धमकी देते हैं ।

अध्यक्ष महोदय : मैं कर भी और क्या सकता हूं जबकि आप हाउस का काम आगे चलने ही नहीं देंगे ।

डा० राम मनोहर लोहिया : आप इस कुर्सी पर बैठ कर रोये थे और तब मैं ने आपके पक्ष में बात कही थी . . .

अध्यक्ष महोदय : अजीब बात माननीय सदस्य ने कही है कि मैं रोया था । पेपर्स टू बी लेड ओन दी टेबुल ।

श्री मौर्य (अलीगढ़) : अध्यक्ष महोदय,

अध्यक्ष महोदय : जी नहीं ।

श्री मौर्य : आप कर क्या रहे हैं जरा मुझे सुन तो लीजिये ।

अध्यक्ष महोदय : इस वक्त हाउस का काम आगे चलने दें ।

श्री मौर्य : अध्यक्ष महोदय, आज मैम्बरान पालियामेंट के साथ में साधारण व्यक्ति से भी बुरा बर्ताव हो रहा है । . . . . . .

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर ।

श्री मधु लिमये : आप सबको सुन लीजिये, एक एक मिनट ।

12.15 hrs.

RE. BUSINESS OF THE HOUSE

Mr. Speaker: Papers to be laid on the Table.

**Not recorded.